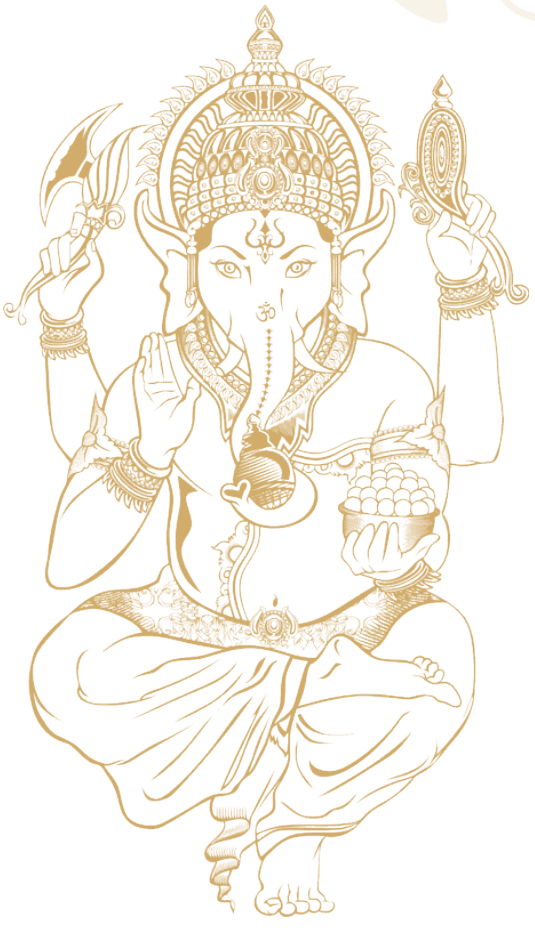

Pawan Durga

Model: Love-Horoscope

Order No: 120952301

Model: Love-Horoscope

Order No: 120952301 Date: 16/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/10/1995	जन्म तिथि	03/01/2001
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 19:25:00	जन्म समय	16:00:00 घंटे
घटी 32:03:06	जन्म समय(घटी)	21:19:34 घटी
India	देश	India
Hanumangarh	स्थान	Hanumangarh
29:33:00 उत्तर	अक्षांश	29:33:00 उत्तर
74:21:00 पूर्व	रेखांश	74:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:36	स्थानिक संस्कार	-00:32:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:45	सूर्योदय	07:28:10
17:59:42	सूर्यास्त	17:46:17
23:48:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:00

मेष	लग्न	वृष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कर्क	राशि	मीन
चन्द्र	राशि-स्वामी	गुरु
आश्लेषा	नक्षत्र	रेवती
बुध	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	3
साध्य	योग	शिव
वणिज	करण	बव
डू-डूंगरमल	जन्म नामाक्षर	चा-चांदनी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	जलचर
मार्जार	योनि	गज
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 10वर्ष 2मा 10दि		29:14:14	मेष	लग्न	वृष	25:56:53	बुध 6वर्ष 3मा 6दि	
शुक्र		00:54:41	तुला	सूर्य	धनु	19:15:05	शुक्र	
28/12/2012		22:00:13	कर्क	चंद्र	मीन	25:05:05	11/04/2014	
28/12/2032		04:33:38	वृश्चि	मंगल	तुला	12:29:39	11/04/2034	
शुक्र	28/04/2016	12:58:49	कन्या	बुध	धनु	24:22:29	शुक्र	10/08/2017
सूर्य	29/04/2017	19:38:01	वृश्चि	गुरु व	वृष	08:08:11	सूर्य	11/08/2018
चन्द्र	28/12/2018	16:28:23	तुला	शुक्र	कुंभ	05:46:52	चन्द्र	10/04/2020
मंगल	28/02/2020	25:10:51	कुंभ व	शनि व	वृष	00:37:26	मंगल	11/06/2021
राहु	27/02/2023	02:43:13	तुला व	राहु व	मिथु	21:39:37	राहु	10/06/2024
गुरु	28/10/2025	02:43:13	मेष व	केतु व	धनु	21:39:37	गुरु	09/02/2027
शनि	28/12/2028	02:47:15	मक	हर्ष	मक	24:54:11	शनि	11/04/2030
बुध	29/10/2031	29:01:27	धनु	नेप	मक	11:32:49	बुध	09/02/2033
केतु	28/12/2032	05:20:25	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:59:13	केतु	11/04/2034

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:01 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:00

लग्न-चलित

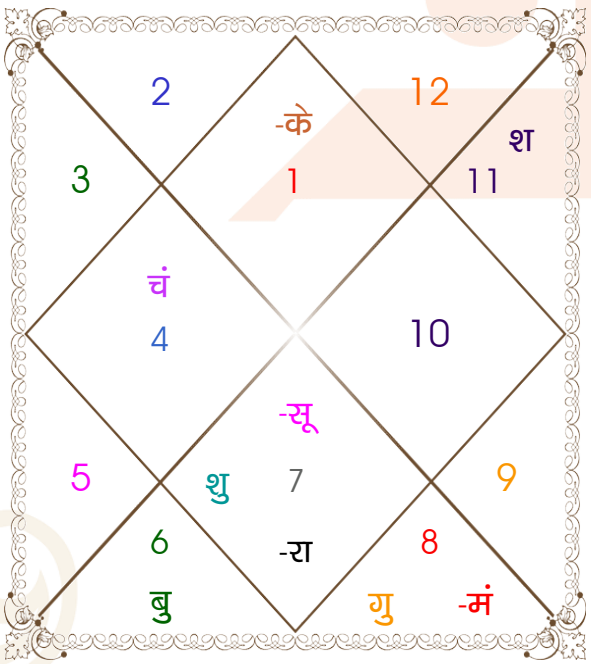

लग्न-चलित

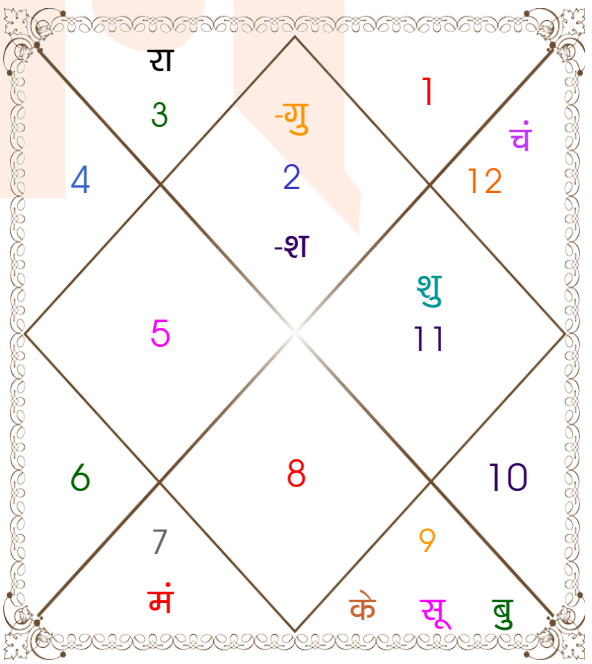

सिद्धपीठ बालाजी धाम जोड़किया
जोड़किया (हनुमानगढ़)
7062685690
pawan.sharma.85690@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

कुल : **14 / 36**

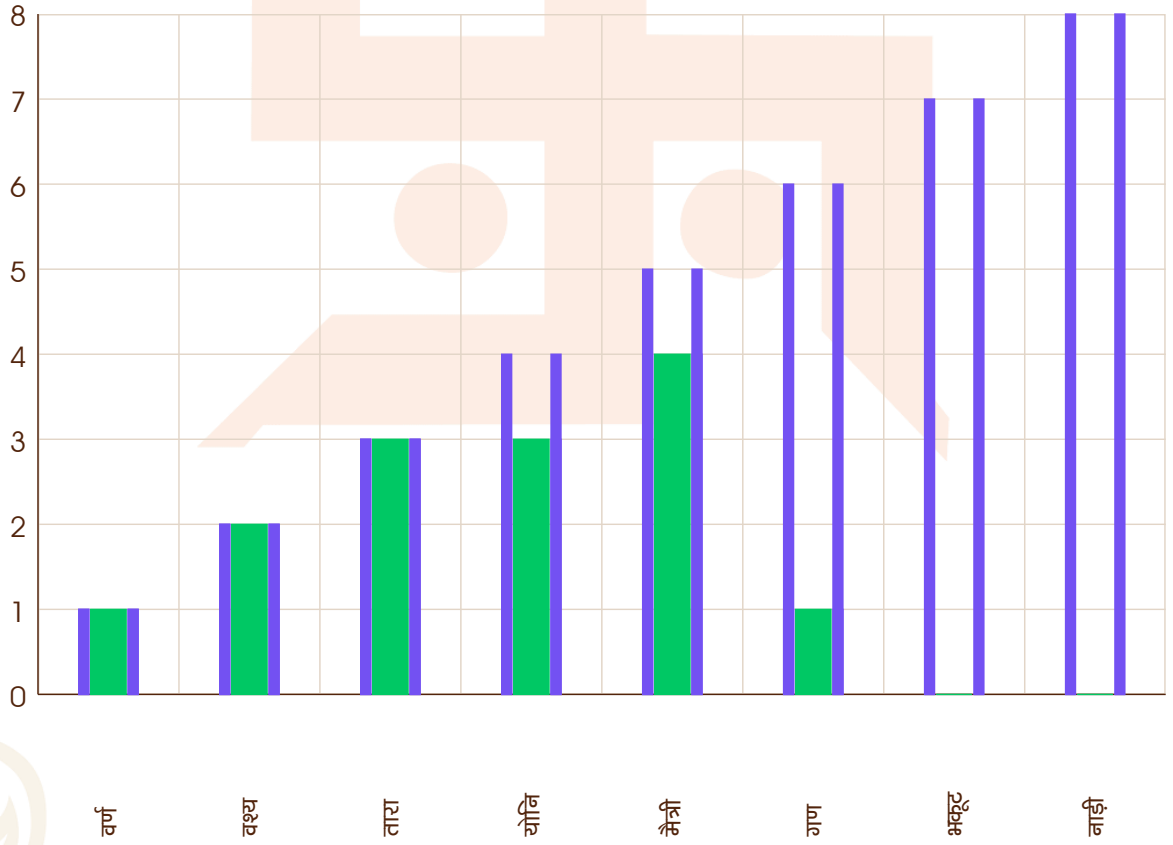

सिद्धपीठ बालाजी धाम जोड़किया
जोड़किया (हनुमानगढ़)
7062685690
pawan.sharma.85690@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Durga का नक्षत्र रेवती है।

Pawan का वर्ग श्वान है तथा Durga का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pawan और Durga का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Pawan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ष्;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Pawan कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Pawan कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Durga मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Durga कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Pawan तथा Durga में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Pawan का वर्ण ब्राह्मण तथा Durga का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

Pawan का वश्य जलचर है एवं Durga का वश्य भी जलचर है अर्थात दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

Pawan की तारा जन्म तथा Durga की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Pawan की योनि मार्जार है तथा Durga की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Pawan का राशि स्वामी Durga के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Durga का राशिस्वामी Pawan के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Pawan का गण राक्षस तथा Durga का गण देव है। अर्थात Durga का गण Pawan के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Pawan निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Pawan का Durga के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Durga हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Pawan से Durga की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Durga से Pawan की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Pawan की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Pawan की नाड़ी अन्त्य है तथा Durga की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Pawan एवं Durga की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Pawan की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है तथा Durga की राशि भी जलतत्व युक्त राशि मीन है। नैसर्गिक रूप से जलतत्व की जलतत्व से समानता एवं मित्रता होती है। अतः Pawan और Durga के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

Pawan की जन्मराशि का स्वामी चन्द्रमा तथा Durga की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र एवं समराशियों में स्थित है। वैवाहिक जीवन की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए यह स्थिति अच्छी मानी जाती है। इसके प्रभाव से Pawan और Durga एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता बनी रहेगी। साथ ही Pawan और Durga का परस्पर आकर्षण लगाव एवं सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा एवं सम्मान जनक ढंग से एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना रहेगी।

Pawan और Durga की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Pawan और Durga के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव विद्यमान रहेगा। तथा यदा कदा अंहकार के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। इससे सुखी वैवाहिक जीवन में व्यवधान उत्पन्न होंगे। अतः Pawan और Durga को चाहिए कि उपरोक्त दुष्प्रभावों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें तभी दाम्पत्य जीवन की समृद्धि एवं शांति में वृद्धि हो सकती है।

Pawan और Durga दोनों का वश्य जलचर है। अतः दोनों की अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी सामंजस्य बना रहेगा। अतः दाम्पत्य सुख में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करके शांति पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे ।

Pawan और Durga दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की रूचि शैक्षणिक एवं धार्मिकता के प्रति रहेगी तथा उत्साह एवं इच्छापूर्वक अपने कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे।

धन

Pawan और Durga का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Pawan और Durga सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Pawan को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Pawan और Durga अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। इसका मुख्य प्रभाव Durga पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी। साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव से भी Durga को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है। अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए Pawan को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Pawan और Durga का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Pawan और Durga के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Durga के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Durga को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Durga को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Pawan और Durga सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Pawan और Durga का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Durga के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Durga अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Durga पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Durga अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Pawan के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Pawan के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Pawan के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Pawan भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।

लग्न फल

Pawan

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के प्रथम चरण में जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय हुआ था। आपके जन्म काल धनु राशि का नवमांश एवं धनु राशि द्रेष्काण का प्रभाव पड़ रहा था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप अपना जीवन सुख पूर्वक आरामदायक वातवारण के साथ व्यतीत करेंगे।

बुनियादी तौर पर आप अपने कर्म पर विश्वास करने वाले प्राणी हैं। तथाकथित रूप से आप अपने जीवन को सेवा योग्य एवं मानवता युक्त विचार से संभावित रूप में व्यतीत करेंगे। अस्तु सह संभाव है कि आप अपने अगले पुनर्जन्म में ज्योतिर्मय आत्मा से प्रवेश करेंगे। अर्थात् वर्तमान जीवन के कार्य कलाप उत्तमता से प्रस्तुत कर संपादित करेंगे।

आप दुबले-पतले, औसतन लंबे, मांसल शरीर से युक्त, एक संयमी प्राणी होंगे। आप में अदम्य उत्साह, संभव शक्ति, संपन्न, आध्यात्मिक भावनाओं से युक्त, आत्मनिश्चयी, अपने उद्देश्य के पीछे चलने वाले तथा अपने कार्य कलापों को सीमा तक ले जाने वाले व्यक्ति हैं। आपकी यह जन्मजात प्रवृत्ति ईश्वरीय प्रदत्त है कि आप संभव प्रयत्नशील रहकर पूर्ण धन प्राप्त करके अपने कामप्रिय एवं सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप बुद्धिमान एवं उच्चकोटि के महत्वकांक्षी सत्तालोलुप प्राणी हैं। आप में अपनी पूर्ण योजनाओं अर्थात् कार्यकलापों को व्यवस्थित ढंग से सुविधापूर्वक संचालित करने की क्षमता विद्यमान हैं। आप में दूसरा यह गुण भी विद्यमान है कि आप चाहे कोई भी कार्य शुरू करने का निश्चय करते हैं। उसको निश्चित रूप से पूरा कर लेते हैं।

आप अपनी आंतरिक चतुरता से जिस कार्य में हाथ लगाते हैं। उसको कठोरता पूर्वक ग्रहण कर अन्दरूनी समस्याओं को समाधान करने में सक्षमता प्राप्त कर सकते हैं। आप किसी भी समस्याओं का समाना करने के लिए तथा अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उसके पीछे पड़ जाते हैं। इस क्षण चाहे किसी की किसी भी प्रकार की अच्छी राय या सबक हो उसे कठोरता पूर्वक नकार देते हैं। आपको यह सहजता पूर्वक अपने-अपने कार्य के प्रति अग्रसर होना तथा परिस्थिति को नियंत्रित रखना, आपकी विशेष योग्यता का परिचायक है।

विशेषतः आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अपरिवर्तनीय आकर्षण से विपरीत योनि के कोई भी सदस्य आपकी विनोदप्रियता के कारण इच्छा रख कर भी प्रेमालिंगन नही कर पाते हैं। परंतु इसका यह अर्थ नही कि आपका दांपत्य जीवन भी अस्त व्यस्त है। अर्थात् आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्ण आस्थावान और समर्पित हैं।

आप अपनी माता के लिए सभी कुछ त्याग कर भी अपनी माता के साथ अच्छी प्रकार से तारतम्य मिलाकर अपने बच्चों एवं पत्नी को भी प्यार करते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आपके कंधे पर पारिवारिक संपूर्ण दायित्व निर्भर है, तथा आपके द्वारा ही परिवार का प्रर्याप्त

हित संभाव है।

आप मसालेदार और रूचिकर भोजन पसंद करते और बहुत अधिक खाते हैं। स्वाभाविक रूप से बहुत भोजन करना, जिससे अच्छी पाचन क्रिया न हो वैसा भोजन आपके लिए दुःखकारक होगा। इसलिए वासी, अम्लीय खाद्य तथा अचार, मसाला युक्त व्यंजन नही ग्रहण करें। आपको सदैव और लगातार हरी शाक-सब्जी भोजन करना चाहिए। आपके लिए संचालित व्यवसाय से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य, अथवा रसायनिक वस्तुओं का उत्पादन करना आपके लिए अनुकूल व्यवसाय होगा। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। सामान्यतया छोटी मोटी कोई चोट आदि की आशंका है। दुर्घटना से आपके माथे पर कोई गंभीर चोट न लग जाए। अतः आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए। आपको सदैव ही भीड़-भार से बचकर अपेक्षित और सतर्कता पूर्वक पथ को पार करना चाहिए।

आपको अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर अपने सिरो वेदना के तकलीफ से छुटकारा पाने के लिए राय लेनी चाहिए। आपको साधारण तौर पर मस्तिष्क से संबंधित अथवा अनिद्रा जैसी छोटे रोग की संभावना है। आपको स्वस्थ जीवन बिताने के लिए संबंधित सतर्कता बरतनी चाहिए। स्वास्थ जीवन बिताने के लिए उपाय से अधिक रोग से बचाव करना श्रेयस्कर होगा।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।
आपके लिए व्यवहारणीय अंक 9 एवं 1 अंक भाग्यशाली अंक है।

आपके व्यवहार के लिए लाभदायक एवं अनुकूल रंग, लाल, ताम्रवर्णी, स्वर्णिम एवं पीला रंग के वस्त्रादि है। इसके अतिरिक्त काला रंग या काले रंग का वस्त्रादि आपके लिए अनुकूल नही हैं।

Durga

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा। वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगी। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगी। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगी।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ

करेंगी। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति की प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगी। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहती है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद की सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करते है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाती है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाती हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहती हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहती हैं। आपकी पति अच्छे है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहते हैं। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करती रहेंगी।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहती हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगी।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। किसी भी दशा में लाल रंग आपके लिए अनुकूल नही है। आपके लिए प्रमाणिक एवं लाभजनक रंग पीला, हरा एवं सफेद रंग ही उपयुक्त है।

अंक ज्योतिष फल

Pawan

आपका जन्म दिनांक 18 है। एक एवं आठ के योग से आपका मूलांक 9 बनता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। एक का सूर्य तथा आठ का शनि। इन तीनों ही ग्रहों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके जीवन में आयेगा। मूलांक नौ के प्रभाव से आप एक साहसी व्यक्ति रहेंगे तथा साहस भरे कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। जब कभी आप दुःसाहसी होंगे तब आपको हानि उठानी पड़ेगी।

आप अनुशासन पसन्द करेंगे। कार्यक्षेत्र में अपना एकाधिकार या प्रभुत्व चाहेंगे तथा ऐसे कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी जहाँ आप स्वतंत्र रूप से मुखिया की भूमिका निभायेंगे। आपके स्वभाव में फुर्तीलापन एवं जल्दवाजी होगी। आप चाहेंगे कि हर कार्य शीघ्र एवं फुर्ती से हो। इसमें व्यवधान आने पर आपका क्रोध बढ़ेगा क्योंकि रुकावटों को आप बर्दाश्त नहीं कर पायेंगे।

एक अंक का स्वामी सूर्य एवं आठ अंक का स्वामी शनि होने से हर सफलता के मध्य अवरोध, रुकावटें आयेंगी। जिनसे आपकी तेज बढ़ती उन्नति में ब्रेक लगेगा तथा आपकी महत्वाकांक्षा देर से पूरी होगी। इससे कई योजनायें शुरु होने के बाद रुक जायेंगी या धीमी गति को प्राप्त करेंगी। जिसमें आपका तन-मन-धन तीनों का व्यय होगा। आपको खुशामदी, चापलूस व्यक्तियों से हानि मिलेगी। अतः ऐसे व्यक्तियों से सावधान रहें जो आपकी अत्यधिक चापलूसी करें।

मंगल का मूलांक होने से आपको अपने जीवन में काफी संघर्ष करना पड़ेगा एवं जो भी सफलता मिलेगी वह कड़ी मेहनत, भाग-दौड़ के बाद ही प्राप्त होगी। मंगल, सूर्य, शनि के संयुक्त प्रभाववश आपका जीवन विध्न-बाधाओं, कठिनाईयों, आलोचनाओं को पार कर स्वयं की मेहनत एवं लगन द्वारा उच्चता के शिखर पर पहुँचेगा।

Durga

आपका जन्म दिनांक तीन होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक तीन होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह है। बृहस्पति या गुरु ग्रह के प्रभाववश आप अनुशासन के मामले में काफी कठोर रहेंगी तथा अपने अधिनस्थों से सख्ती से कार्य लेंगी। काम में ढील या शिथिलता बर्दाश्त नहीं करेंगी। इस कारण कभी कभी आपके मातहत ही आपसे शत्रुता करने लगेंगे।

आप एक महत्वाकांक्षी महिला होंगी और दूसरों पर शासन करने की आपकी सहज इच्छा रहेगी। गुरु ग्रह के प्रभाववश आपकी विचारधारा धार्मिक रहेगी तथा विद्या, अध्ययन, अध्यापन, बौद्धिक स्तर के कार्य तथा धर्म-कर्म के क्षेत्र में आपको अच्छी उपलब्धियाँ एवं ख्याति प्राप्त होगी। मानसिक रूप से आप काफी संतुलित एवं विकसित महिला होंगी तथा किसी भी

विषय को समझने की आप में विशेष क्षमता रहेगी। तर्क एवं ज्ञान शक्ति आपकी अच्छी रहेगी। आप मन से किसी का भी अहित नहीं करेंगी और दूसरों की भलाई करने में भी अपना समय देती रहेंगी।

दान-पुण्य के कार्य भी आप काफी करेंगी। सामाजिक स्थिति आपकी काफी अच्छी रहेगी। समाज में आप अग्रणी एवं मुखिया पद का निर्वहन करना अधिक पसन्द करेंगी। दूसरों को सच्ची सलाह देना आप अपना धर्म समझेंगी। स्वभाव से आप शान्त, कोमल हृदय, मृदुवाणी एवं सत्यवक्ता होंगी। सत्य के मार्ग पर आप चलते हुये कष्टों को भी सहन करेंगी एवं अन्त में विजयश्री को प्राप्त करेंगी। स्वास्थ्य आपका साधारणतः अनुकूल ही रहेगा। लेकिन कभी-कभी मंदाग्नि, जठराग्नि, उदर विकार इत्यादि रोगों का सामना करना पड़ेगा।

Pawan

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

Durga

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है, अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रूझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकती हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचिपूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगी। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।